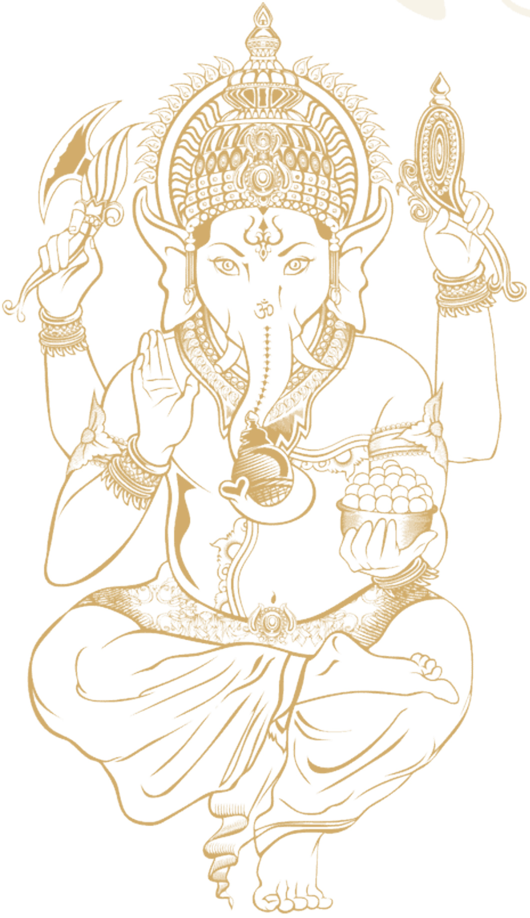

Soni Singh

21 Mar 1997

06:00 PM

Kolkata

Model: web-freekundliweb Order No: 120410915

लिंग	स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	**21/03/1997**
दिन	शुक्रवार
जन्म समय	**18:00:00 घंटे**
इष्ट	30:49:28 घटी
स्थान	**Kolkata**
राज्य	West Bengal
देश	India

अक्षांश	22:34:00 उत्तर
रेखांश	88:21:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	00:23:24 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	18:23:24 घंटे
वेलान्तर	-00:07:13 घंटे
साम्पातिक काल	06:19:39 घंटे
सूर्योदय	05:40:12 घंटे
सूर्यास्त	17:47:48 घंटे
दिनमान	12:07:36 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	वसन्त
सूर्य के अंश	07:06:59 मीन
लग्न के अंश	10:43:07 कन्या

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	कन्या - बुध
राशि-स्वामी	**सिंह - सूर्य**
नक्षत्र-चरण	**मघा - 3**
नक्षत्र स्वामी	केतु
योग	धृति
करण	तैतिल
गण	राक्षस
योनि	मूषक
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	क्षत्रिय
वश्य	वनचर
वर्ग	मूषक
युँजा	मध्य
हंसक	अग्नि
जन्म नामाक्षर	मू-मुक्ता
पाया(राशि-नक्षत्र)	लौह - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मेष

Mahamaya Jyotish Karyalaya
Astrologer Suman Acharya
Professor colony Raipur CG
Member All India Federation Of Astrologers Society
9827401035
astrosumanpal1981@gmail.com

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			कन्या	10:43:07	333:10:11	हस्त	1	13	बुध	चंद्र	चंद्र	---
सूर्य			मीन	07:06:59	00:59:33	उ०भाद्रपद	2	26	गुरु	शनि	बुध	मित्र राशि
चंद्र			सिंह	07:54:32	11:48:34	मघा	3	10	सूर्य	केतु	गुरु	मित्र राशि
मंगल	व		कन्या	01:18:39	00:23:19	उ०फाल्गुनी	2	12	बुध	सूर्य	गुरु	शत्रु राशि
बुध		अ	मीन	16:48:58	01:58:17	रेवती	1	27	गुरु	बुध	बुध	नीच राशि
गुरु			मक	19:14:07	00:11:40	श्रवण	3	22	शनि	चंद्र	बुध	नीच राशि
शुक्र		अ	मीन	04:03:36	01:14:40	उ०भाद्रपद	1	26	गुरु	शनि	शनि	उच्च राशि
शनि		अ	मीन	15:15:12	00:07:29	उ०भाद्रपद	4	26	गुरु	शनि	गुरु	सम राशि
राहु			कन्या	04:55:54	00:00:03	उ०फाल्गुनी	3	12	बुध	सूर्य	शनि	मूलत्रिकोण
केतु			मीन	04:55:54	00:00:03	उ०भाद्रपद	1	26	गुरु	शनि	शनि	मूलत्रिकोण
हर्ष			मक	13:44:36	00:02:25	श्रवण	2	22	शनि	चंद्र	राहु	---
नेप			मक	05:40:28	00:01:19	उत्तराषाढ़ा	3	21	शनि	सूर्य	बुध	---
प्लूटो	व		वृश्चि	11:44:11	00:00:26	अनुराधा	3	17	मंगल	शनि	चंद्र	---
दशम भाव			मिथु	10:41:29	--	आर्द्रा	--	6	बुध	राहु	शनि	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:49:05

लग्न-चलित

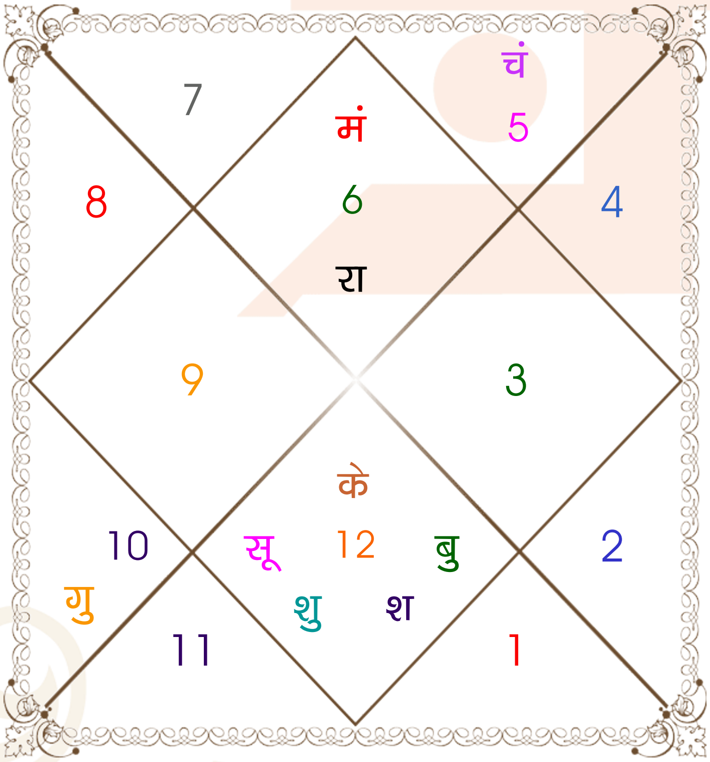

चन्द्र कुंडली

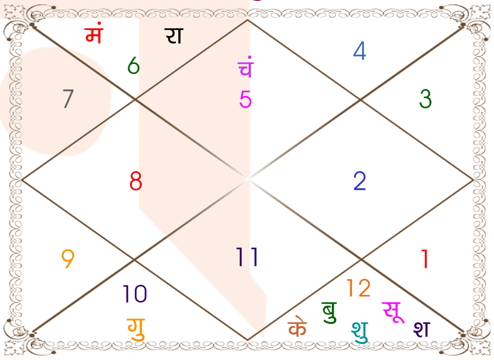

नवमांश कुंडली

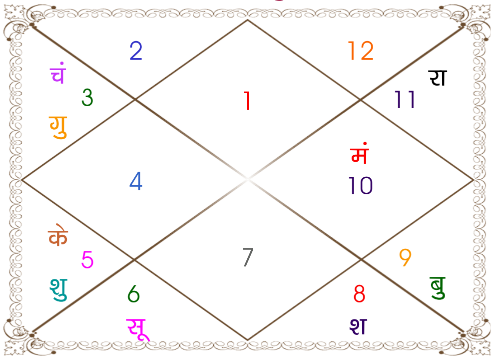

Mahamaya Jyotish Karyalaya
Astrologer Suman Acharya
Professor colony Raipur CG
Member All India Federation Of Astrologers Society
9827401035
astrosumanpal1981@gmail.com

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : केतु 2 वर्ष 10 मास 5 दिन

केतु 7 वर्ष	शुक्र 20 वर्ष	सूर्य 6 वर्ष	चंद्र 10 वर्ष	मंगल 7 वर्ष
21/03/1997	**25/01/2000**	**25/01/2020**	**25/01/2026**	**25/01/2036**
25/01/2000	**25/01/2020**	**25/01/2026**	**25/01/2036**	**25/01/2043**
00/00/0000	शुक्र 27/05/2003	सूर्य 14/05/2020	चंद्र 25/11/2026	मंगल 23/06/2036
00/00/0000	सूर्य 26/05/2004	चंद्र 13/11/2020	मंगल 26/06/2027	राहु 11/07/2037
00/00/0000	चंद्र 25/01/2006	मंगल 20/03/2021	राहु 25/12/2028	गुरु 17/06/2038
00/00/0000	मंगल 27/03/2007	राहु 12/02/2022	गुरु 26/04/2030	शनि 27/07/2039
00/00/0000	राहु 27/03/2010	गुरु 01/12/2022	शनि 26/11/2031	बुध 23/07/2040
21/03/1997	गुरु 25/11/2012	शनि 13/11/2023	बुध 26/04/2033	केतु 19/12/2040
गुरु 19/12/1997	शनि 25/01/2016	बुध 19/09/2024	केतु 25/11/2033	शुक्र 18/02/2042
शनि 28/01/1999	बुध 25/11/2018	केतु 25/01/2025	शुक्र 27/07/2035	सूर्य 26/06/2042
बुध 25/01/2000	केतु 25/01/2020	शुक्र 25/01/2026	सूर्य 25/01/2036	चंद्र 25/01/2043

राहु 18 वर्ष	गुरु 16 वर्ष	शनि 19 वर्ष	बुध 17 वर्ष	केतु 7 वर्ष
25/01/2043	**25/01/2061**	**25/01/2077**	**25/01/2096**	**26/01/2113**
25/01/2061	**25/01/2077**	**25/01/2096**	**26/01/2113**	**00/00/0000**
राहु 07/10/2045	गुरु 15/03/2063	शनि 28/01/2080	बुध 23/06/2098	केतु 24/06/2113
गुरु 02/03/2048	शनि 25/09/2065	बुध 08/10/2082	केतु 20/06/2099	शुक्र 24/08/2114
शनि 07/01/2051	बुध 01/01/2068	केतु 16/11/2083	शुक्र 21/04/2102	सूर्य 30/12/2114
बुध 26/07/2053	केतु 07/12/2068	शुक्र 16/01/2087	सूर्य 26/02/2103	चंद्र 31/07/2115
केतु 14/08/2054	शुक्र 08/08/2071	सूर्य 29/12/2087	चंद्र 27/07/2104	मंगल 27/12/2115
शुक्र 14/08/2057	सूर्य 26/05/2072	चंद्र 29/07/2089	मंगल 24/07/2105	राहु 14/01/2117
सूर्य 08/07/2058	चंद्र 25/09/2073	मंगल 07/09/2090	राहु 11/02/2108	गुरु 22/03/2117
चंद्र 07/01/2060	मंगल 01/09/2074	राहु 14/07/2093	गुरु 19/05/2110	00/00/0000
मंगल 25/01/2061	राहु 25/01/2077	गुरु 25/01/2096	शनि 26/01/2113	00/00/0000

- ❖ उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल केतु 2 वर्ष 10 मा 4 दि होता है।
- ❖ उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

Mahamaya Jyotish Karyalaya
Astrologer Suman Acharya
Professor colony Raipur CG
Member All India Federation Of Astrologers Society
9827401035
astrosumanpal1981@gmail.com

लग्न फल

आपका जन्म हस्त नक्षत्र के प्रथम चरण में कन्या लग्न के उदयकाल में हुआ था। साथ ही उस समय मेदिनीय क्षितिज पर मेष राशि का नवमांश एवं मकर राशि का द्रेष्काणा भी उदित था। जिसके प्रभाव से यह स्पष्ट हो रहा है कि आप द्विस्वाभात्मक गुणों युक्त हैं। आप धार्मिक ग्रंथों का अध्ययन कर धर्म मार्ग में प्रवीण हो गई हैं तथा यह सन्देहास्पद विषय है कि आप इस मार्ग के सहारे अपने लक्ष्य को सम्पादित कर सकेंगी।

आप कुप्रवृति से दूसरों को सताकर धन का संचय करेंगी। ऐसा प्रतीत होता है कि आप धन की सुनिश्चितता के लिए किसी भी हद तक जा सकती हैं। आप किसी को भी आकर्षित कर अर्थात प्रलोभन देकर विश्वास दे सकती हैं। आप निष्ठुर उद्दमी एवं परिश्रमी अध्यवसायी प्रवृति की हैं। आप किसी को भी आकर्षित कर अर्थात प्रलोभन देकर विश्वास दे सकती हैं और मनुष्योचित जरूरतों की पूर्ति हेतु आप कोई स्पष्ट चाल चलकर अपने उद्देश्य की पूर्ति हेतु पश्चाताप करोगी। आप प्रसन्नचित एवं भाग्यशाली महिला हैं। आप संसारिक सुख का आनन्द प्राप्त करेंगी। आप अच्छे हृदय से अनेक प्रकार के सामाजिक कार्य में भाग लेगीं। आप सदैव ही सभी के प्रेम सहवास की आकांक्षा रखेंगी।

आप कई वर्षों तक वैवाहिक संस्कार ग्रहण नहीं करेंगी। परन्तु जब आप एक वार अपने जीवन साथी का चयन कर लेंगी तो विवाहोपरान्त उसमें जोंक की तरह चिपक जाएँगी। अर्थात सदैव उसके तन-मन के साथ रहेंगी। यह सत्य है कि आप अपने परिवार के प्रति पूर्ण समर्पित रहेंगी। आपके पति आपके साथ एक पति की अनिवार्य भूमिका अदा करेंगे तथा सदैव ही प्रसन्नता की बिन्दु तलाश कर आपको प्रसन्न रखेंगे। आप अपने पति के माध्यम से सदैव ही अच्छी सन्तान ग्रहण करेंगी। आपको उसके सम्बन्ध में कदापि भी उदासीन एवं चिन्तनीय दशा नहीं रहेगी। वह निश्चित रुप से आपकी सन्तान को शिक्षित कर सुविधापूर्वक जीवन को व्यवस्थित कर देंगे।

आपकी सामुद्रिक विदेश की यात्रा सभी प्रकार से मधुर मंगलमय नहीं होगी। आप स्वयं के बचाव के लिए प्रभावशाली बंधन पाल रखा है जो जीवन को अवरोधक एवं द्वन्दात्मक बना दिया है। आप निश्चित रूप से स्वतः एकाग्रतापूर्वक एकमत से विचार कर किसी भी विषय को सम्पादित करने के लिए सक्षम हैं। परन्तु सम्प्रति आपकी बुद्धि अस्थिर है। आप पुनः अव्यवस्था का प्रतिकार कर लिया है तथा आपको सुव्यवस्थित समय का लाभ प्राप्त होगा। आपकी यह विशेषता है कि आप स्वच्छन्द रहती हैं। आप अपने मस्तिष्क को विषय वस्तु की ओर प्रवृत कर आप पुनः उत्साह पूर्वक कार्यारम्भ करने के लिए तैयार हो जाऐं।

यदि आप अपनी स्वास्थ्य रक्षा चाहती हैं तथा युवावस्था का लाभ प्राप्त करना चाहती हैं। अपनी युवावस्था अर्थात मध्यम आयु का आनन्द एवं लाभ प्राप्त करें। आप अपनी जीवन पद्धति की ह्रासमुखी अवधारणा को बदल सकती हैं। अन्यथा आप ज्यो-ज्यों आयु पथ पर प्रौढ़ता प्राप्त करती जाएंगी। आपको मध्यपान का अनुभव प्राप्त होगा और आपको रूग्नकारी प्रभाव से प्रभावित कर देगा। वैसे आप किसी विषम रोग से आक्रान्त तो नहीं होगीं। परन्तु

आपको सिरोवेदना, पीठ के दर्द, ट्यूमर एवं रक्तचाप वृद्धावस्था में कष्टकर न हो। अतः सतर्कता बरतनी चाहिए। सम्प्रति आप दीर्घ जीवन व्यतीत करने के प्रति आश्वस्त रहें। आपको संभावित रोगादि के प्रति सुरक्षात्मक अभिरूचि रखना चाहिए ताकि आपका जीवन रोग मुक्त एवं सुरक्षित रहे।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन बुधवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरूवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नही है। शनिवार आप के लिए मध्य फलदायक है।

आपके लिए वास्तव में अंक 2, 3, 5, 6 एवं 7 अंक अनुकूल हैं तथा अंक 1 एवं 8 अंक आपके लिए त्यागनीय है।

आपके लिए अनुकूल एवं भाग्यशाली रंग पीला, सूआपंखी, हरा रंग है। आपके लिए रंग लाल, बल्लू एवं काला रंग प्रतिकूल है।